प्रकाशित समाचार

दिनांक : रविवार,28 फरवरी ,2021

पृष्ठ संख्या :03

डेली हिन्दी मिलाप

DAILY HINDI MILAP

Hyderabad

वेबसाइट 'आलोकपुरुष डॉट इन' का शुभारंभ कल

भुवनेश्वर, 27 फरवरी (मिलाप ब्यूरो)

कीट-कीस के संस्थापक तथा कंधमाल के सांसद प्रोफेसर अच्युत सामंत के जीवन परिचय व उनकी शैक्षिक पहल कीट-कीस से संबंधित जानकारी हिन्दी के माध्यम से जन-जन तक पहुँचाने के लिए नई वेबसाइट 'आलोकपुरुष डॉट इन' आगामी 1 मार्च से शुरू की जा रही है।

इसे अनन्य जगन्नाथ भक्त और प्रो. अच्युत सामंत को आध्यात्मिक जगत का रोलमॉडल मानने वाले अशोक पाण्डेय ने तैयार किया है। अशोक पाण्डेय ने बताया कि वेबसाइट आरंभ करने का उद्देश्य 56 वर्षीय प्रो. अच्युत सामंत की विस्तृत जानकारी हिन्दी के माध्यम से जन-जन तक पहुँचाना है। प्रो. सामंत आज के संत हैं। वे निःस्वार्थ समाजसेवी का जीवन जीते हैं। उनका जीवन बहुत सरल और सादगीपूर्ण है। वे गांधीजी की तरह सत्य, अहिंसा और त्याग में विश्वास रखने वाले पारदर्शी व्यक्ति हैं, जो अपने जीवन की असाधारण कामयाबी शून्य से शिखर तक का पूरा श्रेय अपनी माँ स्व. निलिमा रानी सामंत को देते हैं। प्रो. सामंत का प्रतिदिन का आध्यात्मिक जीवन सभी के लिए अनुकरणीय है। वे प्रतिदिन अपने दैनिक कार्यों से निवृत्त होकर सुबह-शाम लगभग 3 घंटे भगवान जगन्नाथ तथा पवनपुत्र हनुमान आदि देवी-देवताओं की पूजा करते हैं। वे महीने की पहली तारीख को जगन्नाथपुरी जाकर मंदिर में भगवान जगन्नाथ के दर्शन करते हैं। प्रो. सामंत प्रत्येक महीने की संक्रांति के दिन अपने भुवनेश्वर स्थित श्री निवास स्थल पर श्रीरामचरितमानस सुंदरकांड का संगीतमय पाठ कराते हैं। उन्होंने अपने पैतृक गाँव को एशिया का पहला स्मार्ट विलेज बनाया। अपने गाँव जाकर अपने द्वारा निर्मित राम दरबार मंदिर में जाकर पूजा-पाठ करते हैं। प्रत्येक माह के तीसरे शनिवार को वे सिस्ली हनुमान मंदिर जाकर पवनपुत्र हनुमान की पूजा करते हैं। भुवनेश्वर पटिया वाणी क्षेत्र में कीस प्रांगण में स्वनिर्मित श्री जगन्नाथ मंदिर में वे प्रतिदिन सभी देवी-देवताओं की विधि-विधान से पूजा करते हैं। वे अपने जीवन के आदर्श मूल मंत्र 'आदिवासी बच्चों की सेवा ही आज की दुनिया में वास्तविक रूप में भगवान जगन्नाथ की सेवा है' इसे अपनाकर प्रतिदिन कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस (कीस) के कुल 30 हजार से अधिक छात्रों के साथ अपना आनंदमय जीवन व्यतीत करते हैं। वे उनका आवासीय व शैक्षिक सुख-दुख जानते हैं।

हिन्दी वेबसाइट 'आलोकपुरुष डॉट इन' की एक झलक।

अशोक पाण्डेय ने बताया कि यह वेब चैनल एक समाचार चैनल भी है। इस पर जगन्नाथ संस्कृति, ओड़िशा की कला, साहित्य संस्कृति, कीट-कीस से संबंधित खबरें। ओड़िशा की अनेक आध्यात्मिक खबरों को भी प्रसारित करने का प्रावधान किया गया है।

Largest Selling HINDI DAILY Published from Hyderabad
Member: INS, ABC, MRUC and ILNA
Read us online at: www.webmilap.com